हिन्दी साप्ताहिक R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 36 | लखनऊ शनिवार 13 सितम्बर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

सीपी राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति, 2030 तक होगा कार्यकाल

इस्तीफा देने के 53 दिन बाद दिखे जगदीप धनखड़

एजेंसी| नई दिल्ली

नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने 15वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। राधाकृष्णन का कार्यकाल 11 सितंबर 2030 तक होगा। इस दौरान पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए।पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू भी समारोह में पहुंचे। इस्तीफा देने के 53 दिन बाद पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए। धनखड़ ने 21 जुलाई को हेल्थ इश्यू के कारण इस्तीफा दिया था।

राधाकृष्णन ने एक दिन पहले राज्यपाल पद से इस्तीफा दिया

अपनी नई जिम्मेदारी की तैयारी में राधाकृष्णन ने गुरुवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आधिकारिक बयान में इसकी पुष्टि की गई है।

राधाकृष्णन को उम्मीद से ज्यादा 14 वोट मिले

राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी के मुताबिक 781 में से 767 सांसदों ने वोट डाले, वोटिंग 98.2न्न हुई। इनमें से 752 मत वैलिड और 15 इनवैलिड थे। एनडीए को 427 सांसदों का समर्थन प्राप्त था, लेकिन इस्त्राक्क 11 सांसदों ने भी राधाकृष्णन का समर्थन किया। 13 सांसदों ने चुनाव में मतदान से परहेज किया। इनमें बीजू जनता दल के सात सांसद, भारत राष्ट्र समिति के चार, शिरोमणि अकाली दल का एक सांसद और एक निर्दलीय सांसद शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला| दिल्ली-एनसीआर ही क्यों, देशभर में पटाखे बैन होने चाहिए

पूरे देश को साफ हवा का हक...

हम दिल्ली के लिए पॉलिसी नहीं बना सकते

सुप्रीम कोर्ट के 3 अप्रैल 2025 के आदेश को चुनौती दी गई

एजेंसी| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली में पटाखों को बैन करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर दिल्ली-एनसीआर के शहरों को साफ हवा का हक है तो दूसरे शहरों के लोगों को क्यों नहीं? प्रदूषण नियंत्रण को लेकर सीजेआई गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है तो पूरे देश में बैन करना चाहिए। साफ हवा का अधिकार सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि पूरे देश के नागरिकों को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संबंधी जो भी नीति हो वह पूरे भारत में होनी चाहिए। हम सिर्फ दिल्ली के लिए इसलिए नीति नहीं बना सकते, क्योंकि यहां देश का एलीट क्लास है। अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के 3 अप्रैल 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, स्टोरेज, परिवहन और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश को संशोधित करने की मांग की गई है।

कोर्ट रूम में कई पक्षों की दलील और बेंच की टिप्पणी

बेंच ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट को इस मामले में नोटिस जारी किया और दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा। न्यायमित्र सीनियर एडवोकेट अपराजिता सिंह ने कहा कि कुलीन वर्ग अपना ध्यान रखता है। प्रदूषण होने पर वे दिल्ली से बाहर चले जाते हैं। बेंच ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे प्रदूषण के मामले में सीएमक्यूएम से डिटेल रिपोर्ट लें।

पटाखों के लाइसेंस रद्द करने के मामले में स्थिति जैसी है वैसी ही बनी रहेगी

कुछ अन्य पक्षों की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील के. परमेश्वर ने चिंता जताई कि पटाखों पर बैन के साथ-साथ अधिकारियों ने उनके मौजूदा लाइसेंस भी रद्द करना शुरू कर दिए हैं। बेंच ने कहा कि फिलहाल पटाखों के लाइसेंस रद्द करने के मामले में स्थिति जैसी है वैसी ही बनी रहेगी।

सुको के हाई सिक्योरिटी जोन में फोटोग्राफी-रील बनाने पर बैन

सर्कुलर में निर्देश- मीडियाकर्मी नियम तोड़ेंगे तो एंट्री नहीं मिलेगी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने हाई सिक्योरिटी जोन घोषित किए गए मुख्य परिसर में फोटोग्राफी, सोशल मीडिया रील बनाने और वीडियोग्राफी करने पर बैन लगा दिया है। 10 सितंबर को जारी सर्कुलर में कोर्ट ने मीडियाकर्मियों के लिए भी निर्देश जारी किए हैं। इस सर्कुलर के मुताबिक कम सुरक्षा वाले लॉन एरिया में ही इंटरव्यू और लाइव टेलीकास्ट कर सकेंगे। अगर मीडियाकर्मी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के हाई सिक्योरिटी एरिया में उनकी एंट्री एक महीने के लिए बैन की जा सकती है। सुरक्षाकर्मियों के पास किसी भी व्यक्ति, कर्मचारी सदस्य, वकीलों और आने वाले लोगों को इस जोन के अंदर तस्वीरें लेने या वीडियो बनाने से रोकने का अधिकार होगा।

सुप्रीम कोर्ट के सर्कुलर के निर्देश

हाई सिक्योरिटी एरिया के लॉन में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए मोबाइल फोन इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। आधिकारिक इस्तेमाल को छोड़कर, वीडियोग्राफी, रील बनाने और फोटो लेने के लिए यूज होने वाले कैमरा, ट्राइपॉड, सेल्फी स्टिक भी इस एरिया में लाने पर प्रतिबंध रहेगा।

बार एसोसिएशन ने की थी बैन की सिफारिश

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन ने सीजेआई बीआर गवई को लेटर लिखकर वकीलों और साइबर इंफ्लूएंसर्स के कोर्ट कैंपस में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर चिंता जताई थी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने भी एक प्रस्ताव पारित किया।

जवानों ने 2 नक्सलियों को मार गिराया

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शुक्रवार सुबह जवानों ने 2 नक्सलियों को मार गिराया है। दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र से दोनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। जवानों ने मौके से एक 303 राइफल समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए हैं। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। इसके पहले गुरुवार को गरियाबंद जिले में जवानों ने एनकाउंटर में 1 करोड़ के इनामी नक्सली मोडेम बालकृष्ण समेत 10 नक्सली को मार गिराया। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मोडेम बालकृष्ण ओडिशा स्टेट कमेटी का सचिव था। मामला मैनपुर थाना क्षेत्र के मटाल पहाड़ी का है।

आप विधायक को 4 साल की कैद

अमृतसर। पंजाब में खडूर साहिब से आम आदमी पार्टी के विधायक मनजिंदर सिंह को तरनतारन की सेशन कोर्ट ने 4 साल की सजा सुनाई है। उनकी विधायकी पर तलवार लटक गई है। हालांकि लालपुरा के पास ऑप्शन है कि वह हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं। कोर्ट के ऑर्डर के अनुसार पीड़ित लड़की को मुआवजे भी देना होगा। इस फैसले पर आप के वरिष्ठ नेता बलतेज पन्नू ने कहा कि कोर्ट ने चार साल की सजा सुनाई है। पार्टी की कार्रवाई से अदालत की कार्रवाई बड़ी है। कोर्ट ने जो सजा सुनाई है, वह सही ही होगी। अदालत के फैसले पर कोई भी सवाल जवाब नहीं है।

अयोध्या में बोले सीएम योगी

सनातनधर्मियों ने 500 साल तक अपनी आस्था के लिए संघर्ष किया

एजेंसी| अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातनधर्मियों ने 500 वर्षों तक संघर्ष करके अपनी आस्था का फल प्राप्त किया है। लोगों ने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया और कहते रहे कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री को अयोध्या एयरपोर्ट से विदा करने के बाद दोबारा अयोध्या धाम पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जगद्गुरु रामानंदाचार्य के रामघाट स्थित हरि गोपाल धाम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुझे एक बार फिर अयोध्या धाम की पावन धरा पर नमन करने का अवसर मिला है। अभी मॉरीशस के प्रधानमंत्री एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्रीराम का दर्शन के लिए आए थे। दर्शन के उपरांत वह यहां से प्रस्थान किए हैं उनके द्वारा इस बारे में जानकारी ली जा रही थी कि कितने वर्षों के बाद अयोध्या में राम मंदिर का फिर से निर्माण हो पाया है तब हमने बताया कि 500 वर्ष लग गए हैं। 500 वर्षों तक कोई एक धर्म लगातार सम विषम परिस्थितियों में अपनी आस्था के लिए संघर्ष करें और अंततः प्राप्त करें यह अयोध्या में आज रामलाल के भव्य मंदिर और रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से अयोध्यावासियों ने और सनातन धर्मियों ने करके दिखाया है। ये लोग बस यही कहते थे कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन पूज्य संतों की साधना और संघर्ष का परिणाम अयोध्या में भव्य राम मंदिर के रूप में हम सबको देखने को मिल रहा है। आज उन सभी संतो की आत्मा को शांति का अनुभव हो रहा होगा।

पीएम मोदी के मणिपुर दौरे से 2 दिन पहले हिंसा

उपद्रवियों ने पोस्टर-बैनर फाड़े, आग लगाई, कल मोदी चुराचांदपुर-इंफाल जाएंगे

एजेंसी| इंफाल

पीएम मोदी के मणिपुर दौरे के दो दिन पहले राज्य में फिर हिंसा भड़की। गुरुवार देर रात चुराचांदपुर में उपद्रवियों ने पीएम मोदी के स्वागत में लगे पोस्टर बैनर फाड़ दिए, बैरिकेडिंग गिरा दी और उनमें आग लगा दी। यह घटना पीसोनमुन गांव में हुई, जो चुराचांदपुर पुलिस स्टेशन से लगभग 5 किलोमीटर दूर है। पुलिस ने उपद्रवियों को भगाया। लाठीचार्ज भी किया। हालांकि कितने घायल हुए हैं इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों के हवाले से बताया कि मोदी 13 सितंबर को राज्य का दौरा करेंगे और 8,500 करोड़ रुपए की सौगात देंगे।

प्रधानमंत्री के दौरे को राज्य के लिए बहुत सौभाग्यशाली बताया

मणिपुर के सांसद बोले- मोदी कठिन समय पर आ रहे मणिपुर के एकमात्र राज्यसभा सांसद लीशेम्बा सनाजाओबा ने प्रधानमंत्री के दौरे को राज्य के लिए बहुत सौभाग्यशाली बताया। एक वीडियो मैसेज में उन्होंने कहा- यह बहुत सौभाग्य की बात है कि मोदी लोगों की कठिनाइयों को सुनेंगे।

जम्मू-कश्मीर में आप विधायक गिरफ्तार

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मेहराज मलिक को हाल ही में पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत गिरफ्तार किया है, इसके बाद प्रदेश में राजनीतिक हंगामा खड़ा हो गया है। यह पहली बार है किसी मौजूदा विधायक पर कानून का इस्तेमाल हुआ है, जिसे आमतौर पर आतंकवादियों के खिलाफ लगाया जाता है। विधायक पर आरोप है कि उन्होंने डोडा के उपायुक्त (डीसी) और उनके परिवार के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया।

स्पाइसजेट फ्लाइट का टायर टेकऑफ के दौरान रनवे पर गिरा, पायलट ने उड़ान जारी रखी, मुंबई एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई, सभी 75 यात्री सुरक्षित

मुंबई। गुजरात के कांडला से मुंबई आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में बड़ा हादसा टल गया। शुक्रवार को कांडला एयरपोर्ट पर टेकऑफ के दौरान बॉम्बार्डियर क्यू 400 प्लेन का एक टायर रनवे पर गिर गया। इसके बावजूद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए उड़ान जारी रखी। मुंबई एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग से पहले फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई। हालांकि विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और खुद टर्मिनल तक पहुंचा। सभी 75 यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। एयरलाइन ने घटना की पुष्टि की है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है और तकनीकी कारणों का पता लगाया जा रहा है। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो के ए 321 प्लेन की टेल (पिछला हिस्सा) रनवे से टच हो गई। एयरलाइन ने बताया कि खराब मौसम के चलते पायलट ने लैंडिंग के बजाय गो-अराउंड (दोबारा टेकऑफ की प्रक्रिया) करने का फैसला लिया। इसी दौरान विमान की टेल रनवे से टकरा गई।

मॉरीशस पीएम ने पत्नी संग रामलला के दर्शन किए

सुबह काशी में बाबा विश्वनाथ के दरबार में की थी पूजा

एजेंसी| वाराणसी/अयोध्या

मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम ने पत्नी के साथ शुक्रवार दोपहर अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर सीएम योगी ने बुके देकर स्वागत किया। इसके बाद पीएम अपने पत्नी और डेलीगेट्स के साथ राम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने 25 मिनट तक रामलला के दर्शन पूजन किए। करीब 45 मिनट तक अयोध्या में रहे। इसके बाद देहरादून के लिए रवाना हो गए। वहीं सुबह करीब पौने दस बजे काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। बाबा विश्वनाथ का षोडशोपचार विधि से अभिषेक भी किया। करीब आधे घंटे तक बाबा के दरबार में रहे। इससे पहले, गुरुवार शाम को मॉरीशस पीएम दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल हुए। उनके साथ पत्नी और 70 डेलीगेट्स भी थे। उन्होंने गंगा को पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया और पत्नी के साथ सेल्फी भी ली।

खास खबर| खाने-पीने का सामान महंगा होने का असर, जुलाई में ये 1.61प्रतिशत रही थी

अगस्त में रिटेल महंगाई बढ़कर 2.07प्रतिशत पर पहुंची

एजेंसी| नई दिल्ली

अगस्त में रिटेल महंगाई दर जुलाई के 1.61प्रतिशत से थोड़ा बढ़कर 2.7प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसकी वजह खाने-पीने की कुछ वस्तुओं की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी है। रिटेल महंगाई के आधिकारिक आंकड़े सरकार ने आज (12 सितंबर) जारी किए हैं। रिजर्व बैंक का लक्ष्य महंगाई को 4प्रतिशत ह2प्रतिशत की सीमा में रखने का है।

आरबीआई ने महंगाई का अनुमान घटाया

4 से 6 अगस्त तक हुई आरबीआई मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में भी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई का अनुमान 3.7प्रतिशत से घटाकर 3.1प्रतिशत कर दिया था।

अगस्त में खाने-पीने के सामानों की कीमत बढ़ी

महंगाई के बास्केट में लगभग 50प्रतिशत योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महीने-दर-महीने की महंगाई माइनस 1.76प्रतिशत से बढ़कर माइनस 0.69 हो गई है। अगस्त महीने में ग्रामीण महंगाई दर 1.18प्रतिशत से बढ़कर 1.69प्रतिशत हो गई है। वहीं शहरी महंगाई 2.10प्रतिशत से बढ़कर 2.47प्रतिशत पर पहुंच गई है।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है?

महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

सिक्किम में लैंडस्लाइड, 4 लोगों की मौत, आगरा में 40 गांव डूबे

हिमाचल में बाढ़-बारिश से अब तक 380 की मौत

एजेंसी| नई दिल्ली/ लखनऊ

वेस्ट सिक्किम के यांगथांग के अपर रिंबी इलाके में शुक्रवार रात लैंडस्लाइड हुई। इसमें 4 लोगों की मौत हुई है। 3 लोग लापता हैं। एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तेज धार नदी में फंसे लोगों का रेस्क्यू भी चल रहा है। यूपी के आगरा में यमुना में बाढ़ है। यहां 25 कॉलोनियां और 40 गांव में 2-5 फीट तक बाढ़ का पानी भरा है। ताजमहल के पीछे बना पार्क पूरी तरह से डूब गया। 5 हजार से ज्यादा लोग रिलीफ कैंप में हैं। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक बारिश-बाढ़ के कारण 380 लोगों की मौत हो चुकी है, 40 लापता हैं। सबसे ज्यादा 48 मौतें लैंडस्लाइड में गईं। बादल फटने से 17 की मौत हुई है।

कानपुर में गंगा ने 14 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

उत्तर प्रदेश के कानपुर में गंगा के जलस्तर ने 14 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। 2011 के बाद गंगा बैराज पर जलस्तर 115 मीटर पहुंचा, जिससे गंगा बैराज पर खतरे के निशान पर पहुंच गई। इसके कारण 16 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। 500 से ज्यादा परिवार बैराज से बिठूर जाने वाली सड़क पर पॉलीथीन से तंबू बनाकर रहने को मजबूर हैं।

बुजुर्ग कुल और वंश का प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति

किशन भावनानी

बड़े बुजुर्गों और हमारी पिछली पीढ़ियों से अक्सर हम सतयुग और कलयुग का नाम सुनते आ रहे हैं जिसे समझने के लिए हमें भारतीय कवि गीतकार प्रदीप के भजन देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान कितना बदल गया इंसान और आज के इस इंसान को ये क्या हो गया इसका पुराना प्यार कहां पर खो गया, को सुनकर खासकर वर्तमान पीढ़ी के युवाओं को रेखांकित करना समय की मांग है। वैसे तो परिस्थितियों के अनुसार स्थितियां बदलती रहती है परंतु मेरा मानना है कि हमारे बड़े बुजुर्गों के प्रति सोच में बदलाव को सभी ने एक साथ मिलकर रोकना होगा क्योंकि हमारे बड़े बुजुर्ग कुल और वंश का एक प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्तित्व हैं। वह हमारी धरोहर हैं, इन्हें भौतिक सुख सुविधाओं से अधिक अपनों के साथ की ज़रूरत होती है। हमारे युवाओं को यह समझना होगा कि हमारे बड़े बुजुर्ग वह पेड़ है जो थोड़े कड़वे हो सकते हैं लेकिन इनके फल बहुत मीठे होते हैं, इसके दो कदम आगे इनकी छांव का कोई मुकाबला नहीं हो सकता।

साथियों बात अगर हम हमारे बड़े बुजुर्ग रूपी धरोहर को सुरक्षित रखने की करें तो हम सबको मिलकर इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाने होंगे हमारी सोच को इनके प्रति सकारात्मक बनाए रखना होगा पाश्चात्य और नए जमाने की सोच को विराम देना होगा क्योंकि सांस्कृतिक श्लोकों में भी आया है, अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोंसेविनः ! चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम !!अर्थात जो बुजुर्ग वृद्धजनों विनम्र और नित्य अनुभवी लोगों की सेवा करते हैं उनकी चार चीजें हमेशा बढ़ती रहती हैं -आयु विद्या यश और बल ! पर अफसोस इस बात का है कि यह चारों चीजें सभी को चाहिए लेकिन !! वृद्ध जनों बुजुर्गों अनुभवी सम्मानित लोगों की सेवा कोई नहीं करना चाहता है ! साथियों हाल ही में, बुजुर्गों के लिए कार्यरत स्वयंसेवी संस्था हेल्पएज इंडिया द्वारा 4.5 हजार लोगों पर किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार जो प्रमुख तथ्य सामने आए वे इस प्रकार हैं–सर्वेक्षण के मुताबिक देश के 19 शहरों में बुजुर्गों की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। उनमें मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर प्रमुख हैं। बुजुर्गों को प्रश्नावली भरने को दी गई थी, उसमें लगभग 44 फ़ीसदी लोगों ने यह स्वीकारा कि सार्वजनिक स्थलों पर उनके साथ बुरा व्यवहार किया जाता है।देश के 53 फ़ीसदी बुजुर्ग ऐसा मानते हैं कि समाज में उनके साथ भेदभाव किया जाता है।सार्वजनिक स्थलों पर किसी बात की जानकारी मांगने पर 64 फ़ीसदी लोग उनके साथ बुरे लहजे में बात करते हैं।सार्वजनिक स्थलों की लाइन में आगे खड़े होने पर 12 फ़ीसदी बुजुर्गों को आसपास मौजूद लोगों की उग्र प्रतिक्रिया देनी पड़ती है। सर्वेक्षण की रिपोर्ट के मुताबिक मेंटिनेस एंड वेलफेयर ऑफ सीनियर सिटीजन एक्ट पर सही ढंग से अमल नहीं हो रहा। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों के महत्व की करें तो, इंसान सब कुछ भूल सकता है, लेकिन अपने पूर्वज नहीं। इनके बिना हमारा इतिहास बिल्कुल बेकार है और इतिहास बोध से कटे हुए समाज जड़ों से टूटे हुए पेड़ के समान होते हैं। जिस घर के अंदर बड़े बुजुर्गों का आदर और सम्मान नहीं किया जाता उस परिवार में सुख, समृद्धि, संतुष्टि और स्वाभिमान कभी नहीं आ सकता। बुजुर्ग हमारा स्वाभिमान होते हैं। बुजुर्ग हमारी धरोहर है। उन्हें सहेजने की जरूरत होती है। अगर हम परिवार में स्थाई रूप से सुख-शांति और समृद्धि पाना चाहते हैं, तो परिवार में बुजुर्गों का सम्मान अवश्य करें। हम सब कुछ बदल सकते हैं, लेकिन पूर्वज नहीं। हम उन्हें छोड़कर इतिहास बोध से कट जाते है। हमारे बड़े बुजुर्ग हमारे धरोहर है इन्हें सहेज कर रखना सम्मानीत करते रहना से हमें हर पल कुछ ना कुछ सीखने का मिलता है लंबी उम्र गुजार चुके इन बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलता है यही नहीं किसी भी आपदा के समय किस प्रकार से धैर्य के साथ काम करना है उस दौरान हमें इनके अनुभवों का लाभ मिलता है।

श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य ही श्राद्ध है

रमेश सर्राफ धमोरा

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरुआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आर्शीवाद प्राप्त होता है।

श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांडों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस ऊर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यायित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है।

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है।

इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है। पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है।

गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे। श्राद्ध महिमा में कहा गया है- आयुः पूजां धनं विद्यां स्वर्गं मोक्ष सुखानि च। प्रयच्छंति तथा राज्यं पितरः श्राद्ध तर्पिता।। - अर्थात जो लोग अपने पितरों का श्राद्ध श्रद्धापूर्वक करते हैं, उनके पितर संतुष्ट होकर उन्हें आयु, संतान, धन, स्वर्ग, राज्य मोक्ष व अन्य सौभाग्य प्रदान करते हैं।

दैनिक पंचांग

13 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

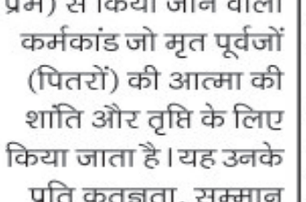

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.06 बजे से
चंद्र	वृष में	तुला	08.17 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.31 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.52 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.39 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.12 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.42 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.22 बजे से
		मिथुन	23.20 बजे से
		कर्क	01.34 बजे से
		सिंह	03.50 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 256 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 07.24 बजे तदनन्तर सप्तमी 05.05 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 10.12 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 10.33 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.24 बजे, विष्टि 18.12 बजे तदनन्तर बव 05.05 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 47' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872466 **जूलियन दिन** 2460931.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 20 **विशेष** सप्तमी श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

सूडोकु नवताल- 7272

सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7271 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

काकुरो पहेली - 7029

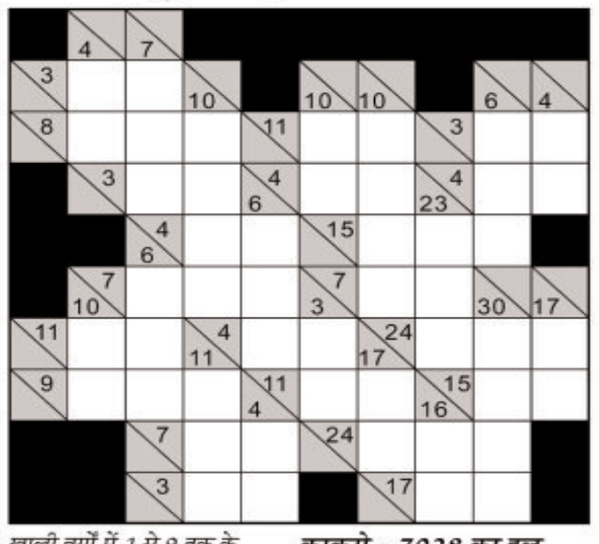

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

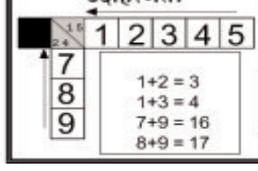

काकुरो - 7028 का हल

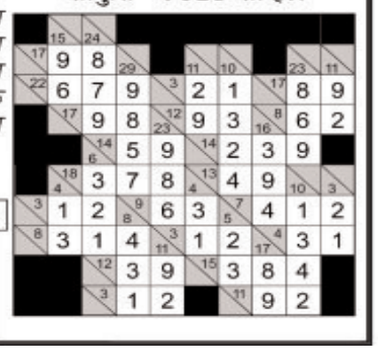

(विचार-मंथन)

दुनिया के देशों में कमजोर हो रहा है लोकतंत्र, न्यायपालिका और मीडिया की स्वतंत्रता में सबसे बड़ी गिरावट

सनत जैन

पिछले 50 वर्षों में लोकतांत्रिक मूल्यों में सबसे बड़ी गिरावट 2019 से 2024 के बीच में देखने को मिली है। लोकतांत्रिक देश जो पहले दुनिया में मीडिया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए जाने जाते थे पिछले 5 वर्षों में उनके ऊपर भी बड़ा शिकंजा कसा गया है। 2024 में 173 देश के लोकतांत्रिक प्रदर्शन का आकलन द ग्लोबल स्टेट ऑफ़ डेमोक्रेसी-2025 की रिपोर्ट में हुआ है, जिसने दुनिया के 173 देश में लोकतांत्रिक मूल्यों में लगातार हो रही गिरावट पर चिंता व्यक्त की है। प्रकाशित रिपोर्ट में संसदीय कार्यों में गिरावट देखने को मिल रही है। मीडिया को निष्पक्षता से काम नहीं करने दिया जा रहा है। न्यायपालिका में भी सरकारी हस्तक्षेप बढ़ता चला जा रहा है, जिसके कारण लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। लोगों का मीडिया और न्यायपालिका के प्रति विश्वास कम हुआ है। राजनीतिक नेतृत्व को लेकर भी आम लोगों का विश्वास घटा है, जिसके कारण लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं कमजोर होती चली जा रही हैं। पिछले 5 वर्षों में 43 देशों में लोकतंत्र के इंडेक्स में भारी कमी देखी गई है। इसमें अफ्रीका के साथ-साथ यूरोप के देश शामिल हैं। भारत और दक्षिण कोरिया के भी हालत तेजी के साथ बिगड़ रहे हैं। यहां मीडिया के पर कतरने के लिए पत्रकारों के खिलाफ मानहानि के मामले और आपराधिक मामलों की जैसे बाढ़ आ गई है। अमेरिका जैसे देश भी इससे अछूते नहीं रहे। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं उसके बाद से नियमों और संस्थाओं की परंपराओं को काफी हानि पहुंची है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता में भी ट्रंप प्रशासन की दखलंदाजी बढी है। भारत जो चुनाव की निष्पक्षता को लेकर दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश माना जाता था यहां पर भी पिछले 10 वर्षों से चुनाव की निष्पक्षता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। भारत के मीडिया को गोदी मीडिया कहा जाने लगा है। भारत का नेशनल मीडिया जिसमें इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट दोनों ही शामिल हैं, यह सरकार के दबाव में ही काम कर रहे हैं, जिसके कारण जनता का उनके प्रति कोई विश्वास नहीं रहा। हाल ही के वर्षों में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर लोगों में अविश्वास बढ़ता जा रहा है। हाल ही में श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और भारत में जिस तरीके की स्थितियां देखने को मिल रही हैं उसने सारी दुनिया के देशों को चिंता में डाल दिया है। यूरोप के देशों में भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। जिसके कारण अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और भारत जैसे देशों में जन समुदाय सड़कों पर आकर हिंसक प्रदर्शन करने लगा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में बार-बार बल प्रयोग करना पड़ रहा है। उसके बाद भी जिस तरह बांग्लादेश और नेपाल में सत्ता परिवर्तन हुआ है, नेताओं पर हमले किए गए, न्यायपालिका पर हमले किए गए, चुनाव आयोग के प्रति लोगों को विश्वास नहीं रहा।

सारी दुनिया के देश अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्थाओं को लेकर उनका अनुसरण करते थे। वहीं अमेरिका अब सूची में 35 वें स्थान पर आकर खड़ा हो गया है। नागरिक अधिकारों के बारे में भी 32 वें स्थान पर आकर खड़ा हो गया है। मानव अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को लेकर बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका जैसे कई देशों ने पारदर्शी और विश्वसनीय चुनाव के माध्यम से अपने लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है। जिन देशों में पहले लोकतंत्र बहुत अच्छा था उनकी हालत निरंतर गिरती जा रही है। इसको लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। जर्मनी स्विट्जरलैंड नॉर्वे और लक्जमबर्ग और यूरोप के कुछ देशों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। कोस्टा रिका चिल्ली और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश लोकतांत्रिक देश के हर मायने पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले देश हैं। दुनिया के वह लोकतांत्रिक देश जहां पहले मानव अधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं सबसे बेहतर थीं वहां धार्मिक कट्टरता के माध्यम से सत्ता की सीढ़ी बनाकर सत्ता में पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके कारण धार्मिक आधार पर सत्ता पर पहुंचने के लिए जिस तरह से कट्टरता बढ़ रही है, मानव अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में हस्तक्षेप कर शासन व्यवस्था में बैठे हुए लोग अपनी सत्ता को स्थाई सत्ता में बदलने के लिए जिस तरह के उपाय कर रहे हैं, उससे दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ रही है। लोकतांत्रिक संस्थाएं बहुत तेजी के साथ कमजोर की जा रही हैं। आर्थिक असमानता लगातार गरीब, मध्यम वर्ग और उच्च वर्ग के बीच बढ़ती चली जा रही है। दुनिया के अधिकांश देशों में इन दिनों महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी जैसे संकट देखने को मिल रहे हैं, जिसके कारण अब जनविद्रोह सड़कों पर देखने को मिल रहा है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल की घटनाओं ने सारी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। जिस तरह से राजनीतिक नेतृत्व, न्यायपालिका, चुनाव की निष्पक्षता, मीडिया की निष्पक्षता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं उससे अब जनक्रांति के रूप में जो बदलाव देखने को मिल रहे हैं उससे स्पष्ट है, कि जब लोग हर तरह से हताश हो जाते हैं, जब उनकी समस्याओं और कठिनाइयों पर कोई सुनवाई नहीं होती है, ऐसी स्थिति में आम जनता सड़कों पर आकर मुख्य पद पर बैठे हुए लोगों के साथ हिंसक व्यवहार करने लग जाती है। संसद और न्यायपालिका जिनमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जैसे संस्थानो के भवनों को जलाया जा रहा है। सत्ता में बैठे हुए लोगों को देश छोड़कर भागना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को बचाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। रूस और यूक्रेन में वर्षों से युद्ध चल रहा है यही स्थिति इजराइल और गाजा के बीच बनी हुई है। लाखों लोगों की इसमें मृत्यु हो चुकी है। रेडक्रॉस जैसी संस्थाएं अपना वजूद खो चुकी हैं। सुरक्षा परिषद जैसे अंतर्राष्ट्रीय संस्थान शांति बहाल करने की दिशा में ठोस प्रयास नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में एक बार फिर तीसरे विश्व युद्ध जैसी स्थिति बनती हुई दिखने लगी है। हाल ही में इजरायल ने 6 इस्लामिक देशों में एक साथ हमला करके धार्मिक उन्माद पैदा करने की कोशिश की है। थिंक टैंक इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टरल असिस्टेंस की डी ग्लोबल स्टेट ऑफ़ डेमोक्रेसी 2025 की जो रिपोर्ट जारी हुई है, उसने सभी को गंभीर चिंता में डाल दिया है। वर्तमान स्थिति में यदि गंभीरता के साथ बदलाव नहीं किया गया तो यह कहने में कोई कोताही नहीं है जिस तरीके के हालात बन रहे हैं उसको देखते हुए कभी भी तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो सकता है। यह विश्व युद्ध प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध की तुलना में ज्यादा खतरनाक होगा। इस समय दुनिया विकास के सर्वोच्च स्तर पर खड़ी हुई है। मशीनीकरण और घातक हथियारों का बड़ा जखीरा दुनिया के सभी देशों के पास है। इसको देखते हुए विध्वंस की केवल कल्पना ही की जा सकती है।

कृषि कार्य में जल संचयन एवं बचत की आवश्यकता है : डॉ.श्याम सिंह

कृषि वैज्ञानिकों,कृषक एवं एफपीओ सदस्यों के साथ संवाद एवं परिचर्चा का आयोजन

बांदा। विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश 2047 तक बनाने के लिए कृषि विश्व विद्यालय में कृषि वैज्ञानिकों,कृषक एवं एफपीओ सदस्यों के साथ संवाद एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया।संवाद कार्यक्रम में कृषकों,मत्स्य पालकों एवं अन्य लोगों से संवाद करते हुए उनके सुझाव आमंत्रित किये गये। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पंधारी यादव ने देश को विकसित बनाने में प्राप्त कृषि वैज्ञानिकों एवं किसानों के सुझावों को वर्ष 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश बनाये जाने हेतु कार्य योजना में महत्वपूर्ण सुझावों को सामिल किये जाने हेतु आश्वस्त किया।उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश व प्रदेश के विकास के लिए आवश्यक है कि सभी क्षेत्र विकसित हों,जिससे राष्ट्र विकसित हो सके।उन्होंने कृषकों से कहा कि जो महत्वपूर्ण सुझाव आज यहां प्राप्त हुए हैं,उनको डिजिटल माध्यम से क्यू आर कोड को स्कैन करते हुए अवश्य भेजें।कार्यक्रम में कृषि विभाग,उद्यान विभाग,मत्स्य पालकों एवं एफपीओ से सुझाव आमंत्रित किये गये।डॉ0 श्याम सिंह कृषि वैज्ञानिक ने कृषि कार्य के साथ पशुपालन किये जाने का सुझाव दिया।उन्होंने जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से कार्य करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि कृषि कार्य में जल संचयन एवं बचत की आवश्यकता है।उन्होंने एकीकृत फसल प्रणाली अपनाये जाने तथा कृषि आधारित लघु उद्योगों को बढाने की आवश्यकता पर जोर दिया।कार्यक्रम में कृषक आलोक सिंह, शत्रुघन सिंह,रामस्वरूप द्विवेदी आदि ने अपने सुझाव देते हुए सोलर योजना में अनुदान बढाये जाने,खेत-तालाब योजना में वृद्धि करने तथा बागवानी के विस्तार किये जाने के साथ जल संचयन करने के सुझाव दिये।चंद्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय कानपुर के प्रोफेसर यू के त्रिपाठी ने कम लागत की फसलों का उत्पादन करने एवं समय पर फसलों की बुआई किये जाने तथा दलहन उत्पादन को बढाये जाने एवं आर्गेनिक फार्मिंग अपनाने पर जोर दिया।संवाद कार्यक्रम में पदमश्री उमाशंकर पांडे,सेवानिवृत प्रोफेसर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय रामचंद्र सहित मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडे,परियोजना निदेशक डीआरडीए,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित जनपद के कृषि वैज्ञानिक एवं कृषक बन्धु उपस्थित रहे।

एनएच सड़क किनारे हो रहे मानकविहीन कार्य की जांच की किया मांग

अतर्रा। नगर पालिका क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ हो रहे इंटरलाकिंग कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।अतर्रा महाविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अर्जुन मिश्र ने जिलाधिकारी को संबोधित पत्र एसडीएम को देकर जांच की मांग की है।एसडीएम राहुल द्विवेदी को दिए पत्र में कहा कि हाल ही में ठेकेदार द्वारा लगभग 20 लाख रुपये की मिट्टी बेची गई थी,जिसकी शिकायत पहले भी की गई थी, लेकिन जांच आज तक पूरी नहीं हो सकी।अब पुनः ठेकेदार द्वारा मानकविहीन इंटरलाकिंग कार्य कराया जा रहा है,जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका साफ दिख रही है।उन्होंने कहा कि हिन्दू इंटर कालेज के सामने इंटरलाकिंग में जो ईंटें प्रयोग की जा रही हैं, वे घटिया किस्म की हैं।बताया कि पूरा प्रोजेक्ट लगभग 3 करोड़ रुपये का है,लेकिन एक भी काम मानक के अनुसार नहीं हो रहा है।उन्होंने कार्य की गुणवत्ता और प्रयोग किए जा रहे सामान की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग किया है।एसडीएम राहुल द्विवेदी ने जांच कराकर कार्यवाही करने की बात कही है।

वन ग्राम तैयार कर गांवो में लाएंगे हरियाली, पर्यावरण को बनाएंगे समृद्धशाली

देश के 22 राज्यों में पर्यावरण संरक्षण का कार्य कर रही एमओईएफसीसी पीसीआई

पीसीआई चेयरमैन राहुल द्विवेदी ने कहा हमारे देश में है अभी कम से कम पांच सौ करोड़ पेड़ो की आवश्यकता

बांदा। देश के कई राज्यों में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही संस्था एमओईएफसीसी पीसीआई (पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन इकाई) जिसने मौजूदा दौर में करोड़ो पौधे रोप उनका पालन पोषण (संरक्षण) करके पर्यावरण संरक्षण की शानदार मिशाल पेश की है।काउंसिल के राष्ट्रीय चेयरमैन राहुल द्विवेदी ने कहा देश में अगले डेढ़ दशक यानी 2040 तक उनकी संस्था राष्ट्रीय स्तर पर 200 करोड़ नए पौधे रोपित करने के अपने लक्ष्य को पूरा करेगी साथ ही ग्राम पंचायतों में एक - एक वन ग्राम बनाएंगे ताकि गांव हमेशा हरे भरे बने रहें।जुलाई 2024 में राजधानी नई दिल्ली में पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन इकाई का गठन हुआ था।यह पीसीआई देश में पर्यावरण संरक्षण के लिए काम कर रही है।एक साल के कार्यकाल में संस्था ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं,जिसमें उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, हरियाणा,राजस्थान,पंजाब,कर्नाटक ,उड़ीसा,तेलंगाना सहित देश के 22 राज्यों में संस्था का विस्तार किया जाना शामिल है।साथ ही इन राज्यों में काउंसिल ने इकाईयां गठित हैं जो वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए बराबर कार्य कर रही हैं।संस्था को इतने कम समय में जो सफलता मिली है इसका मुख्य श्रेय राष्ट्रीय चेयरमैन राहुल द्विवेदी को जाता है,जिन्होंने अपने कठिन परिश्रम एवं कुशल नेतृत्व से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन इकाई को देश में एक बड़ी पहचान दिलाई है।एमओईएफसीसी पीसीआई कार्यालय में एक भेंट के दौरान विशेष बातचीत में उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में पर्यावरण को लेकर कई बड़ी चुनौतियां हैं,यदि समय रहते इनसे नहीं निपटा गया तो आने वाला समय बहुत ही कठिन होने वाला है।बाढ़,तेज गर्मी व ग्लेशियर का पिघलना जलवायु परिवर्तन का एक प्रमुख कारण है और अब यह एक प्रकार की वैश्विक समस्या बन गई है,इसके लिए सभी देशों को प्रभावी तरीके से काम करना होगा।हमारी संस्था एक साल से बराबर वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए काम कर रही है।इस समस्या से निपटने के लिए हमारे देश में अभी 500 करोड़ पेड़ो की आवश्यकता है और पेड़ भी फल व छायादार होने चाहिए।इसके अलावा कचरे का रिसाइकल बिना किसी कार्बन उत्सर्जन के किया जाए।राष्ट्रीय चेयरमैन द्विवेदी ने बताया कि उनकी काउंसिल ने पिछले एक साल में करोड़ो पौधे रोपित करने के साथ करीब एक करोड़ पौधों का संरक्षण किया है।संस्था जल्द ही एक टीम गठित कर रही है जो सिर्फ पौधों के संरक्षण का कार्य करेगी।इसके अलावा देश की हर ग्राम पंचायत में एक -एक ग्राम वन बनाया जाएगा वहीं 2040 तक 500 करोड़ नए पौधे रोपित करने का जो लक्ष्य तय किया गया है उसे पूरा करेंगे ताकि हर गांव हरा भरा रहे।

पीजी कालेज में द्वितीय कट-ऑफ सूची जारी, 16 सितंबर तक होंगे प्रवेश

अतर्रा। पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर द्वितीय कट-ऑफ सूची जारी कर दी गई। प्रभारी प्राचार्य डॉ.पी.के.विश्वकर्मा ने बताया कि स्नातक एवं परास्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश 13 से 16 सितंबर तक निर्धारित पटल पर सम्पन्न होंगे।जारी कट-ऑफ सूची के अनुसार बी.ए.प्रथम सेमेस्टर में सामान्य वर्ग के लिए 60 प्रतिशत,ओबीसी 58 प्रतिशत तथा एससी/एसटी 50 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं।बी.एससी.(गणित) में सामान्य 65, ओबीसी 62 और एससी/एसटी 50 प्रतिशत,वहीं बी.एससी.(बायो) में सामान्य 68, ओबीसी 65 और एससी/एसटी 58 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर हेतु सामान्य वर्ग 70,ओबीसी 67 और एससी/एसटी 60 प्रतिशत कट-ऑफ तय की गई है। एम.ए.(हिन्दी, राजनीति विज्ञान,भूगोल) में सामान्य 60, ओबीसी 57 और एससी/एसटी 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे।जबकि एम.ए.(संस्कृत, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, अंग्रेजी),एम.कॉम और बी.एससी.(गृह विज्ञान) में प्रवेश ÷पहले आओ, पहले पाओ÷ के आधार पर होंगे।प्रवेश के लिए छात्रों को पंजीयन प्रपत्र, मूल अंकपत्र,जाति/आय/आधार प्रमाणपत्र व टी.सी.-सी.सी.प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

श्मशान के लिए भटकता गाँव, अतराहट के लोगों की चिता अब भी खेतों में जलती

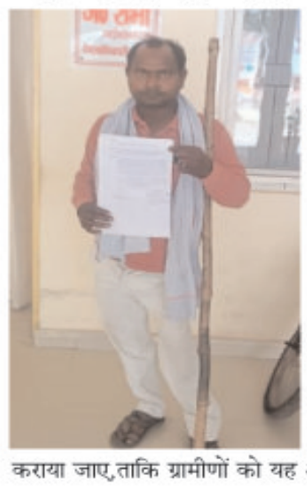

बांदा। ब्लाक तिंदवारी क्षेत्र के ग्राम पंचायत अतराहट में आज़ादी के 75 साल बाद भी श्मशान जैसी बुनियादी सुविधा न होना ग्रामीणों के लिए एक बड़ी पीड़ा बन चुका है।इस गंभीर विषय पर जन जागरूकता लाते हुए शुक्रवार को जनता दल यूनाइटेड दिव्यांग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष श्रीराम प्रजापति ने जिलाधिकारी को एक मांगपत्र सौंपा। जिसमें गाँव में मुक्तिधाम के तत्काल निर्माण की माँग की गई है।ज्ञापन में कहा गया है कि अतराहट के ग्रामीणों को आज भी अपने स्वजन का अंतिम संस्कार खेतों,रास्तों के किनारे या अन्य अस्थायी स्थलों पर करना पड़ता है।यह न केवल मानवीय गरिमा के विरुद्ध है,बल्कि प्रशासनिक उपेक्षा का प्रतीक भी बन चुका है।श्रीराम प्रजापति का ने कहा है कि यह केवल एक सुविधा की मांग नहीं है,यह संवेदनाओं का सवाल है।जब किसी अपने का निधन होता है,तो परिवार को शोक के साथ यह भी सोचना पड़ता है कि उसे कहाँ जलाया जाए।यह हमारी संस्कृति और संविधान दोनों का अपमान है।उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की कि ग्राम पंचायत अतराहट में मुक्तिधाम हेतु भूमि चयन,बजट स्वीकृति और निर्माण प्रक्रिया को तत्काल प्राथमिकता पर शुरू कराया जाए,ताकि ग्रामीणों को यह अपमानजनक स्थिति और न झेलनी पड़े।

नवरात्रि से शुरू होगा छात्रावास निर्माण कार्य

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक का हुआ आयोजन

बांदा। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष राम सिंह कछवाह की अध्यक्षता में मासिक बैठक पंचवटी आश्रम कार्यालय साहब तालाब के सामने जेल रोड बांदा सम्पन्न हुई।बैठक की शुरु होने से पूर्व परंपरा के अनुसार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम एवं वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजन किया तत्पश्चात प्रार्थना के साथ बैठक प्रारंभ हुई।मासिक बैठक में महासभा के महीने भर के कार्यों के विस्तृत चर्चा हुई साथ ही संगठन के मजबूती के लिए अधिक से अधिक संख्या में क्षत्रिय बन्धुओं को जोड़े,प्रस्तावित छात्रावास निर्माण हेतु निधि संकलन में प्रभावी तरीके से कार्य करने की जरूरत है,जैसा कि पिछले माह मोहल्लें मोहल्लें में घर घर जाकर निधि संकलन किया गया है।बैठक का संचालन पी के सिंह (मीडिया प्रभारी) ने किया और सभी का आभार जिलाध्यक्ष राम सिंह कछवाह ने किया।कल्याण मंत्र के साथ बैठक का समापन किया गया।बैठक में रमजोर सिंह चंदेल (संरक्षक),रणजीत सिंह (उपाध्यक्ष),राम नरेश सिंह कछुआह उपाध्यक्ष शिव पूजन सिंह चंदेल,शिव शरण सिंह सेंगर,राम जीवन सिंह गौतम,अभिषेक सिंह, राजेश सिंह (ब्लाक अध्यक्ष बड़ोखर ब्लाक),रोहित सिंह काछवाह,धनंजय प्रताप सिंह,बलबीर सिंह,शांति भूषण सिंह गौतम,महासचिव,वीरेंद्र सिंह,अमर पाल सिंह,बसंत सिंह,राम नरेश सिंह कछवाह ने अपने संबोधन में क्षत्रियों के बच्चों में अच्छे संस्कार देने और शिक्षा अच्छी देने पर जोर दिया।पी के सिंह मीडिया प्रभारी ने कहा कि आरक्षण के बावजूद भी अन्य सवर्ण की सरकारी सेवाओं में बहुत बड़ी भागीदारी है लेकिन हमारे क्षत्रिय समाज की नहीं है हमें इस ओर आगे आने वाली पीढ़ी को जागृत करने की आवश्यकता है।अंत में क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष राम सिंह कछवाह ने बताया कि नव दुर्गों से छात्रावास के निर्माण कार्य की शुरुआत की जाएगीजिसमें सभी लोग अपना अमूल्य समय अवश्य दे और संकल्प को सफल बनाने में सहयोग करे।

प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी को सराहा

बांदा।एमओईएफसीसी पीसीआई नई दिल्ली के नेशनल चेयरमैन राहुल द्विवेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की सराहना की है।कहा कि मोदी जी द्वारा एक पेड़ मां के नाम का जो नारा दिया गया उससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों खासकर युवाओ में विशेष जागरूकता आई है और पौधेरोपण के प्रति लोगों में विशेष रुचि भी जगी है। द्विवेदी ने युवाओं को संदेश दिया कि एक पेड़ अपनी मां के नाम,खास उत्सव जैसे जन्म दिन,शादी- विवाह एवं शादी की सालगिरह पर लगाकर उस रोपित पौधे का संरक्षण जरूर करें।यूपी के मुख्यमंत्री योगी जी की सराहना करते हुए चेयरमैन ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर ऐसे कार्यों में मुख्यमंत्री जी पूरा सहयोग मिलता है।

दो किलोमीटर सडक खराब, आमजन परेशान

सुमेरपुर।कलौलीजार बांकी मार्ग का दो किलोमीटर हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने से दर्जनों गांव के लोगों को 30 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाकर ब्लाक आना जाना पड़ रहा है।कलौलीजार के निवासी लालदीवान यादव,कुम्हऊपुर के निवासी विनीत शुक्ला आदि ने बताया कि कलौलीजार से बांकी की तरफ आने के लिए 2 किलोमीटर सड़क पूरी तरह से जमीनदोज हो गई है।भारी भरकम गड्ढो के कारण चलना फिरना दुश्वार है।सडक खराब होने के कारण लोगों को ब्लाक आने के लिए 30 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है शिकायतों के बाद समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

सभी क्षेत्र विकसित हों, जिससे राष्ट्र विकसित हो सकेः पंधारी यादव

उद्यमियों एवं व्यवसाईयों तथा महिला समूह एवं श्रमिक संगठनों के साथ संवाद एवं परिचर्चा का आयोजन

बांदा। विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश 2047 तक बनाने के लिए कलेक्टर सभागार में जनपद के उद्यमियों एवं व्यवसाईयों तथा महिला समूह एवं श्रमिक संगठनों के साथ संवाद एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया।संवाद कार्यक्रम में उद्यमियों एवं व्यवसायों तथा महिला समूह एवं श्रमिक संगठनों ने संवाद करते हुए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी/ नोडल अधिकारी पंधारी यादव ने कहां की देश को विकसित बनाने में प्राप्त उद्यमियों एवं व्यवसाईयों तथा महिला स्वयं सहायता समूहों तथा एवं श्रमिक संगठनों के सुझावों को वर्ष 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश बनाये जाने हेतु कार्ययोजना में महत्वपूर्ण सुझावों को शामिल किये जाने हेतु आश्वस्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश व प्रदेश के विकास के लिए आवश्यक है कि सभी क्षेत्र विकसित हों, जिससे राष्ट्र विकसित हो सके।उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से कहा कि जो महत्वपूर्ण सुझाव आज यहां प्राप्त हुए हैं,उनकों डिजिटल माध्यम से क्यू आर कोड को स्कैन करते हुए अवश्य भेजें।संवाद कार्यक्रम में उद्यमियों द्वारा एक बड़े उद्योग/ फर्म जनपद में स्थापित कराए जाने जिससे छोटे उद्योगों को भी बढ़ावा मिल सके का सुझाव दिया इसके साथ ही यूपी सीडा क्षेत्रीय अधिकारियों को भी उद्योगों के समस्याओं के निस्तारण हेतु मौजूद रहने का सुझाव दियास जनपद स्तर पर उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ श्रमिकों को बैंक से लोन दिलाए जाने आदि के सुझाव प्राप्त हुए।संवाद कार्यक्रम में पदमश्री उमाशंकर पांडे, सेवानिवृत प्रोफेसर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय रामचंद्र, यूके त्रिपाठी प्रोफेसर चंद्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय कानपुर, जिलाधिकारी जे.रीभा सहित मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडे,परियोजना निदेशक डीआरडीए,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित जनपद के उद्यमी उपस्थित रहे।

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय को किया गया शील, भवन स्वामी को भी दी गई नोटिस

बांदा। दो वर्षों से लगातार बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित होने पर गांव वालों ने मुख्यमंत्री पोर्टल में इसकी शिकायत की जिसको लेकर जिले से बी.आर.सी. तक हलचल मच गई।जिस पर जिला अधिकारी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सख्त निर्देश देते हुए विद्यालय संचालक के विरुद्ध कार्यवाही और विद्यालय को बंद करने को आदेश दिए थे।मामला महुआ ब्लाक के मनीपुर गांव का है जहां पर जे एम जे इंग्लिश मीडियम विद्यालय गैर मान्यता प्राप्त संचालित था। जिसको लेकर क्षेत्रीय और ग्रामीणों ने इसकी शिकायत मुख्य मंत्री पोर्टल में की थी।जिस पर बी ई ओ विनोद कुमार पटेरिया महुआ ने अपनी आख्या में लिखा था कि यहां कोई विद्यालय गैर मान्यता प्राप्त संचालित नहीं है जिसको लेकर क्षेत्रीय लोगों ने इसकी शिकायत जिला अधिकारी यहां की जिस पर जिला अधिकारी ने जांच के आदेश दिए जिसके तहत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अव्यक्त राम त्रिपाठी ने तुरंत कार्यवाही करते हुए कार्यालय को सूचित करने को कहा जिस पर बी ई ओ महुआ विनोद कुमार पटेरिया द्वारा शुक्रवार को दोपहर 11 बजे मनीपुर गांव जाकर देखा तो मौके पर जे एम जे इंग्लिश मीडियम विद्यालय संचालित था और 40 बच्चे शिक्षण ग्रहण कर रहे थे। जो कि कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक की कक्षाएं संचालित पाई गई जिसमे सर्व प्रथम नोटिस देते हुए बताया कि तुरंत विद्यालय को बंद कराया जाए।जिस पर मौके पर संचालक राहुल सिंह उर्फ रणधीर सिंह मौजूद थे और अन्य अध्यापक अध्यापिकाएं मौजूद थी और तुरंत ग्राम प्रधान को बुलाया और मनीपुर कंपोजिट विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य नफीस अहमद और ग्रह स्वामी को बुलाकर विद्यालय में ताला लगवाया और विद्यालय के गेट में एक नोटिस भी चस्पा की जिसमे साफ साफ लिखा हुआ है कि बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2011 के अंतर्गत गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित पर 1 लाख रुपए का जुर्माना किया जाता है और अगर इसके बावजूद विद्यालय संचालित पाया जाता है तो प्रतिदिन 10 हजार का जुर्माना लगाने और प्राविधिक कार्यवाही करने के नियम के तहत कार्यवाही की जाती है।वहीं भवन स्वामी को भी नोटिस देकर सख्त निर्देश दिए गए हैं कि विद्यालय बिना मान्यता के नहीं संचालित होगा अन्यथा की स्थित में भवन स्वामी पर भी कार्यवाही की जाएगी।वहीं नोटिस देते हुए विभाग ने यह भी कहा है कि अगर आपको विद्यालय संचालित करना है तो आप पहले मान्यता प्राप्त करें जो सरकार के नियम के तहत है और इसके बाद ही विद्यालय का संचालन करें।मौके पर ग्राम प्रधान पति शंकर लाल,गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालक राहुल सिंह,गृह स्वामी,कंपोजिट विधायक मनीपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक नफीस अहम,कंपोजिट विद्यालय बड़ोखर बुजुर्ग के सहायक अध्यापक सुधीर श्रीमाली सहित बी ई ओ महुआ विनोद कुमार पटेरिया मौजूद रहे।

ग्रीन फील्ड हाईवे के ₹ ।सिंग पिलरों की मिट्टी की जांच शुरू

सुमेरपुर।प्रस्तावित ग्रीन फील्ड हाईवे के लिए चिन्हीकरण होने के उपरांत अभी तक जमीन अधिग्रहण का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है।इसी बीच इसमें बनने वाले ओवर ब्रिज के लिए मिट्टी का स्वायल टेस्टिंग होने लगा है।ग्रीन हाईवे को गुजारने के लिए आधा दर्जन सड़कों में ओवरब्रिज बनने है।फिलहाल इंगोहटा छानी मार्ग में इंगोहटा के समीप स्वायल परीक्षण का कार्य करके प्रत्येक 10 फीट की मिट्टी के नमूने एकत्र करके परीक्षण के लिए भेजे जा रहे हैं। महोबा जनपद के कबरई कस्बे से लेकर कानपुर की रमईपुर के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने ग्रीन फील्ड हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी है।यह राष्ट्रीय राजमार्ग महोबा,हमीरपुर,कानपुर से गुजरकर सीधे भोपाल को लखनऊ तक जोड़ेगा। इसके लिए हमीरपुर जनपद के 19 गांवों के किसानों की जमीन का चिन्हीकरण हो चुका है।जमीन चिन्हीकरण के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय ने इसके निर्माण की कवायद तेज कर दी है। प्रथम चरण में ग्रीन फील्ड हाईवे के मध्य से गुजरने वाले मार्ग में बनने वाले ओवर ब्रिज के लिए मिट्टी के स्वायल टेस्टिंग का कार्य शुरू कराया है।इंगोहटा के किसान अभय प्रताप सिंह,अजय प्रताप सिंह,रमाकांत दीक्षित,कल्लू दीक्षित,अखिलेश तिवारी,अवधेश तिवारी,अनूप तिवारी आदि ने बताया कि मौजूदा समय में इंगोहटा छानी मार्ग में उनके खेतों के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के कर्मी ओवर ब्रिज के पिलर बनाने के लिए स्वायल टेस्टिंग कर रहे हैं।कर्मियों ने बताया कि मध्य का पिलर 120 फीट गहरा होगा।जबकि सपोर्ट में खड़े होने वाले दाएं बाएं के दोनों पिलर 42-42 फीट गहरे रहेंगे।उन्होंने बताया कि प्रत्येक 10 फीट के बाद मिट्टी के नमूने एकत्र का प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं।टेस्टिंग के उपरांत ही बनने वाले पिलरों की डिजाइन को अंतिम रूप देकर निर्माण को हरी झंडी दी जाएगी।ग्रीन फील्ड हाईवे के निर्माण की गतिविधियां शुरू होते ही किसानों में उत्सुकता बढ़ गई है।वैसे जमीन चिन्हीकरण के बाद अभी तक किसानों की जमीन अधिग्रहित नहीं हुई है।लेकिन जिस तरह से गाटा संख्या चिन्हीकरण करके सूची तैयार की गई है। उससे प्रतीत होता है कि जल्द ही जमीन अधिग्रहण का कार्य शुरू होगा।

व्यापारियों की संपन्न हुई बैठक में दैनिक समस्याओं पर हुई चर्चा

कड़ा कौशांबी। नगर पंचायत दारानगर कड़ाधाम कार्यालय सभागार में शुक्रवार को व्यापारियों की मासिक बैठक आहूत की गई। नगर अध्यक्षा रागिनी अरुण केशरवानी की अध्यक्षता व अधिशाषी अधिकारी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित बैठक में उपस्थित व्यापारियों की समस्याओं को सुनते हुए उनके निस्तारण का आश्वासन दिया गया। बैठक में साफ-सफाई, जल निकासी, शौचालय, पेयजल, मार्गों पर सांकेतिक बोर्ड लगाए जाने, जर्जर कुंओं का सौंदर्यीकरण कराए जाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा-परिचर्चा हुई। नगर अध्यक्षा व अधिशाषी अधिकारी ने उपस्थित व्यापारियों से सहयोग की अपील करते हुए समस्याओं से निजाद दिलाने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान नगर अध्यक्षा रागिनी अरुण केशरवानी ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के व्यापारियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए नगर पंचायत प्रशासन प्रयासरत है जल्द ही व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण करा दिया जाएगा। इस बैठक में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष अरुण केशरवानी, व्यापार मंडल देवीगंज राजू अग्रहरि, नीरज साहू, शिवशंकर केशरवानी, मोनू मोदनवाल, श्यामू अग्रहरि, जयमणि तिवारी, रामचन्द्र केशरवानी, अमित केशरवानी, साबिर बाबा, अरविंद मणि तिवारी, सोनू अग्रहरि आदि लोग मौजूद रहे।

रंजिश के चलते महिला के साथ मारपीट,चार पर केस

कड़ा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के विजयीपुर गांव में जमीन के विवाद की रंजिश को लेकर महिला के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने चार पर केस दर्ज किया है। विजयीपुर गांव की नेहा देवी पत्नी राजेंद्र सिंह ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया बृहस्पतिवार की दोपहर जमीन के विवाद को लेकर चल रही रंजिश को लेकर विपक्षी घर में घुसकर गाली गलौच करते हुए लाठी डंडे से मारपीट करने लगे। आस पड़ोस के लोगों ने मौके पर पहुंचकर बीच बचाव कर मामला शांत कराया। महिला की तहरीर पर पुलिस ने कमला देवी, विमला, कुलदीप व संदीप के विरुद्ध मारपीट का केस दर्ज किया है।

आयुक्त व डीआईजी ने सीमा क्षेत्र रूपईडीहा का किया भ्रमण, सीमा क्षेत्र की स्थिति का लिया जायजा

स्टेट ब्यूरो चीफ अब्दुल नासिर

बहराइच। पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील व डीआईजी अमित पाठक ने भारत–नेपाल सीमा स्थित रूपईडीहा का निरीक्षण कर मौक़े पर मौजूद पुलिस व सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि सीमा पर चौकसी व सतर्कता बनाये रखें। आयुक्त व डीआईजी ने सुरक्षा एजेन्सियों को यह भी निर्देश दिया कि संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग की जाय। सीमा पर आने वाले किसी भी नागरिक को कोई असुविधा न होने पाये।

आयुक्त व डीआईजी ने एसएसबी मुख्यालय अगैय्या में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए सुरक्षा एजेन्सियों को निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में आने वाली सभी चौकियों एवं चेकपोस्ट के साथ–साथ सभी संवेदनशील स्थानों पर निरन्तरता के साथ पेट्रोलिंग की जाये। आयुक्त व डीआईजी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर संवादहीनता की स्थिति उत्पन्न न होने पाये। कानून एवं शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत यदि कोई सूचना प्राप्त होती है तो उसे नज़रअंदाज़ न करते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करें। भारतीय सीमावर्ती क्षेत्रों में पूरी तरह से स्थिति सामान्य होने पर आयुक्त व डीआईजी ने संतोष व्यक्त करते हुए सुरक्षा एजेन्सियों के अधिकारियों को पूरी सतर्कता व चौकसी बरतने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह, कमाण्डेण्ट एसएसबी 42वीं बटालियन गंगा सिंह उदावत, अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा चौहरी, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट राम दयाल, पुलिस क्षेत्राधिकारी नानपारा प्रद्युम्न सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जनपद बहराइच में झोलाछाप डॉक्टरों ताबड़तोड़ करवाई चल रही है

फजह्न अस्पताल और नर्सिंग होम पर लगातार करवाई जारी

स्टेट ब्यूरो चीफ अब्दुल नासिर

बहराइच। नानपारा में मंगलवार को अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराग वर्मा ने हॉस्पिटल और पैथोलॉजी की जांच की। कई संचालक अपना रजिस्ट्रेशन प्रपत्र नहीं दिखा पाए। जांच में क़मर पॉली क्लिनिक, चरक पैथोलॉजी, अपोलो डायग्नोस्टिक वर्ल्ड, नैन्सी पैथोलॉजी, एक अज्ञात पॉलीक्लिनिक, मॉडर्न पैथोलॉजी और थायरोकेयर कलेक्शन सेंटर को नोटिस जारी किया गया। ग्लोब मार्केट में एक क्लिनिक पर सरकारी चिकित्सक का नाम और पदनाम लिखा बोर्ड मिला, लेकिन चिकित्सक मौके पर नहीं मिले। इमामगंज में बरदाहा रोड पर संचालित हॉस्पिटल पर करवाई करने पहुंचे तो हॉस्पिटल संचालक भाग खड़े हुआ वहां पर करवाई करते हुए हॉस्पिटल संचालक के खिलाफ नोटिस जारी कर दीवाल पर लगा दी गई डॉ. वर्मा ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर अवैध नर्सिंग होम और पैथोलॉजी के खिलाफ रोज छापेमारी की जा रही है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

फर्रुखाबाद में खाद के लिए किसान परेशान

कमल कांत दुबे जिला संवाददाता फर्रुखाबाद

फर्रुखाबाद। कमालगंज मे किसानों को समय पर खाद उपलब्ध न कराए जाने से नाराज होकर सहकारी संघ अध्यक्ष अतुल चौहान ने मंगलवार को कोआपरेटिव सरकारी समिति के सचिव मानसिंह को जमकर हड़काया। इस दौरान अध्यक्ष के साथ दर्जनभर किसान भी मौजूद रहे, जिन्होंने आरोप लगाया कि सचिव कई दिनों से उन्हें बेवजह दौड़ा रहे हैं, न तो चेक ले रहे हैं और न ही खाद उपलब्ध करा रहे हैं किसानों की शिकायत सुनने के बाद अध्यक्ष अतुल चौहान सीधे समिति कार्यालय पहुंचे और सचिव पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध होने के बावजूद किसानों को परेशान किया जा रहा है। मौके पर ही उन्होंने किसानों को खाद दिलवाया और सचिव को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी सचिव मानसिंह ने सफाई देते हुए कहा कि जरूरत के अनुसार पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। स्टॉक मिलते ही सभी किसानों को खाद दी जाएगी। वहीं, अध्यक्ष अतुल चौहान ने आश्वासन दिया कि रोज खाद के स्टॉक की जानकारी ली जाएगी और किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने की पूरी कोशिश की जाएगी।

जनभागीदारी से विजन डॉक्यूमेंट 2047 के निर्माण हेतु आयोजित हुआ संवाद कार्यक्रम

ब्यूरो चीफ बहराइच रामेश्वर सिंहभदोरिया

बहराइच। विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत–आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प/2047 के लिए कार्ययोजना तैयार किये जाने के उद्देश्य से सेवानिवृत्त आई.एफ.एस. कार्तिक कुमार सिंह व से.नि. मुख्य अभियन्ता सिंचाई मन्साराम शुक्ला, प्रोफेसर लखनऊ विश्वविद्यालय अभिषेक कुमार तिवारी व वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या डॉ. सी.पी.एन. गौतम के पैनल ने वन, भूमि, व्यवसाय, पशुधन, शिक्षा, महिला कल्याण, बाल विकास, समाज कल्याण, दिव्यांगजन, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, निर्माण, प्राविधिक शिक्षा, व्यावसासिक शिक्षा, कौशल विकास व राज्य मार्ग से सम्बन्धित अधिकारियों, एन.जी.ओ., उद्यमियों, एफपीओ, स्वयं सहायता समूह की महिलाओ व अन्य सम्बन्धित के साथ विकास भवन सभागार में संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र ने बताया कि मा. प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विजन है कि वर्ष 2047 तक आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर भारत विकसित देश हो और सभी क्षेत्रों में राष्ट्र सशक्त हो। विकसित राष्ट्र की परिकल्पना तभी पूर्ण होगी ज़ब विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित बहराइच होगा। इसी विजन को पूरा करने के लिए विजन डॉक्यूमेंट 2047 का निर्माण किया जाना है। इसके लिए हर परिवार सीधे सरकार तक अपने सुझाव दे सकते हैं। आकांक्षी जनपद के विकास हेतु इच्छुक व्यक्ति अपने महत्वपूर्ण सुझाव क्यू आर कोड अथवा समर्थउत्तरप्रदेश डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन के माध्यम से उपलब्ध करा सकते हैं। चयनित सुझावों को जनपद/प्रदेश स्तर पर पुरस्कृत भी किया जाएगा।

पैनल के अधिकारियों ने बताया कि विकसित उत्तर प्रदेश–2047 की कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण 12 सेक्टरों संतुलित विकास, सामाजिक सुरक्षा एवं गरीब कल्याण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, शिक्षा एवं कौशल विकास, आर्थिक समृद्धि, कृषि विकास, पशुधन, औद्योगिक विकास, आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स, पर्यटन विकास, नगर विकास एवं अवस्थापना विकास का चयन किया गया है। जनभागीदारी से विजन डॉक्यूमेंट 2047 का निर्माण करने के उद्देश्य से 500 से अधिक विषय–विशेषज्ञों सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस, वैज्ञानिक, कुलपति एवं प्रोफेसर्स, चिकित्सक, सेक्टोरल विशेषज्ञों का पैनल जिलों में संवाद के लिए जा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश का सपना केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश का साझा लक्ष्य है। सरकार की कोई भी योजना तभी सफल होती है, जब जनता उसे विश्वास और सक्रिय सहभागिता के साथ आगे बढ़ाती है। विकसित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना भी हर प्रदेशवासी के सहयोग से ही साकार होगी। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय, उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी घासीराम, उपायुक्त जीएसटी चन्द्रकेश गौतम सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश का कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह ने फर्रुखाबाद में बाढ़ पिडीतो को बाटी राहत सामग्री

कमल कांत दुबे जिला संवाददाता फर्रुखाबाद

फर्रुखाबाद। जहां एक तरफ बाढ़ पीड़ित की मदद में जिला प्रशासन हर तरह की मदद कर रहा है वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सभी कैबिनेट मंत्रियों को बाढ़ क्षेत्र इलाकों में जाकर जायजा लेकर ग्रामीणों को उनके जरूर मंद चीज जैसे भोजन मवेशियों के लिए चार और सुरक्षित जगह पर रहने के लिए जगह उपलब्ध कराना जैसी सुविधाएं मोहिया करा रही है वही फर्रुखाबाद पहुंचे कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह ने वहां के जनप्रतिनिधियों के साथ बाढ़ क्षेत्र का जायजा लिया और ग्रामीणों को राहत सामग्री भी वितरण की इसी मौके पर सदर विधायक मेजर सुनील द्विवेदी कायमगंज विधायक डॉक्टर सुरभि गंगवार जिला अध्यक्ष फतेहचंद वर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता व पार्टी के कई नेता उपस्थित रहे।

फर्रुखाबाद में कड आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बैंक कर्मचारियों के साथ की समीक्षा बैठक

कमलकांत दुबे जिला संवाददाता फर्रुखाबाद

फर्रुखाबाद। कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में ऋणपरक योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद (ODOP) मार्जिन मनी योजना, प्रधानमंत्री खाद्य उद्योग सूक्ष्म उन्नयन योजना, माटी कला योजना तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना की बैंकवार प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण एक सप्ताह के भीतर किया जाए, वहीं स्वीकृत प्रकरणों का वितरण तीन कार्यदिवस में सुनिश्चित हो। बैठक में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया की प्रगति अत्यंत खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्टेट बैंक के ऋण स्वीकृत अधिकारी को कल मण्डलायुक्त महोदय के समक्ष उपस्थित होने के आदेश दिए। इसी दौरान जिलाधिकारी ने श्री मोहम्मद आज़म, सहायक प्रबंधक को सहायक आयुक्त उद्योग पद पर पदोन्नति मिलने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की बैठक में उपायुक्त उद्योग, खादी ग्रामोद्योग, जिला उद्यान अधिकारी सहित सभी संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद बहराइच तहसील नानपारा से अनोखा मामला सामने आया है किसी गरीब के घर के दीवाल खड़ी कर दी

ये कहानी सिर्फ फिल्मों में देखने को मिलती थी लेकिन उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच तहसील नानपारा पथार खुर्द पोस्ट ललुही थाना खैरीघाट से देखने को मिली है

ब्यूरो चीफ रामेश्वर सिंह भदोरिया

बहराइच। पीड़ित महिला ने वीरेंद्र कुमार मौर्य प्रधान पर लगाए गंभीर आरोप पीड़ित महिला का कहना महिला के पति बाहर रहकर मजदूरी करते हैं जिससे उनका जीवन यापन होता है कुछ दबंगों द्वारा पीड़ित महिला के घर के आगे दीवाल बनाकर टीन शेड डालकर चारों ओर से रास्ता बंद कर दिया गया मौके पर मीडिया कर्मियों ने पहुंचकर पीड़ित महिला से बातचीत की पीड़ित महिला ने अपना दर्द बयां किया पीड़ित रमावती पत्नी श्यामलाल कौरी निवासी पथार खुर्द पोस्ट ललुही थाना खैरीघाट तहसील नानपारा जिला बहराइच का निवासिनी है। तथा प्रार्थिनी बहुत ही गरीब व असहाय व मजबूर महिला है।

और इनके घर आगे विपक्षीगण वीरेन्द्र प्रधान मौर्या पुत्र मौजीलाल व सुखदेव पुत्र औतार व सुशील पुत्र लौटन व दुलारे पुत्र अयोध्या इन लोगों ने प्रार्थिनी के घर के आगे अवैध कब्जा करके दीवाल उठा कर टीन शेड रख कर मकान बना लिया है प्रार्थिनी के मना करने पर धारदार हथियार से मारा–पीटा और प्रार्थिनी की पुत्री पम्मी कुमारी के कपड़े फाड़ कर तथा मोबाइल छीन लिया है और अवैध कब्जा करके घर से बाहर हम लोगों को निकाल दिया है और हमारा परिवार दूसरे के दरवाजे पर रहने को मजबूर है तथा इधर उधर दौड़ भाग रह है।

तथा इधर उधर मांग कर खाना पीना खा रहे है। तथा गांव वालों पर विपक्षीगण दबाव बनाते हैं कि इन लोगों को गांव से भगा दिया जाये। तथा विपक्षीगणों के द्वारा हम लोगो का जीना हराम कर रखा है। और विपक्षी प्रधान होने के कारण गरीब असहाय परिवार को जीने नही दे रहे है। और पीड़िता न्याय के लिए दर–दर भटक रही है। और प्रार्थिनी ने स्थानीय थाने पर प्रार्थना पत्र दिया मुकदमा लिखा दिया गया लेकिन कार्यवही तो हुई परन्तु विपक्षीगणो की गिरफतरी नही की जा रही है। और विपक्षीगणों ने प्रार्थिनी के घर के आगे के रास्ता बन्द कर दिया है। जिसमें ग्राम प्रधान द्वारा फर्जी तरीके से ग्राम न्यायालय में फर्जी नोटिस भेजकर पीड़ित पर दबाव बनाया जा रहा है मौके पर पीड़ित दूसरे के घर पर पलायन कर रहे हैं। लेकिन पीड़ित को न्याय नही मिल रहा है। अगर पीडित परिवार को न्याय न मिला तो पीड़िता आत्मदाह करने पर मजबूर है। यह घटना दिनांक 24.07.2025 की है।

जिला अस्पताल बहराइच की लापरवाही उजागर, मरीज बेहाल

1–संवाददाता अभिषेक कुमार शुक्ला, बहराइच, 2 सतीश चंद्र मिश्रा लखनऊ जिला संवाददाता
3–बुद्धिसागर त्रिवेदी (शास्त्री जी), संवाददाता खैरीघाट

बहराइच। महाराजा सुहेल देव जिला अस्पताल बहराइच का निरीक्षण करने पर कई गंभीर खामियाँ सामने आईं। मरीजों और परिजनों से बातचीत में पाया गया कि अस्पताल की वास्तविक स्थिति सरकार के दावों से बिल्कुल विपरीत है। डॉक्टर बनाम स्टाफ का रवैया मरीजों ने बताया कि डॉक्टर समय पर आते हैं और निगरानी भी रखते हैं, लेकिन डॉक्टरों के जाने के बाद स्टाफ पूरी तरह से उदासीन हो जाता है। रात में ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों का व्यवहार बेहद लापरवाह और अपमानजनक है। जनरल वार्ड बनाम प्राइवेट वार्ड स्टाफ ने खुद बताया कि जनरल वार्ड के मरीजों को देखने जाया जाता है, लेकिन प्राइवेट वार्ड में मरीजों की देखभाल तभी होती है जब कोई स्टाफ वहाँ आता है। अक्सर प्राइवेट वार्ड में ट्रेनिंग कर रहे बच्चों को बैठा दिया जाता है, जिनका दवाइयों या इलाज से कोई अनुभव नहीं होता। मरीजों का कहना है कि उन्हें कई बार बुलाने के बाद ही देखा जाता है, और तब भी यही कहा जाता है दृ "जब डॉक्टर आएंगे तब देखेंगे।" दवाइयों की समस्या मरीजों का आरोप है कि सरकारी अस्पताल की दवा उपलब्ध होने के बावजूद उन्हें बाहर से दवाइयाँ खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। यहाँ तक कि यदि किसी मरीज के पास पैसा न हो तो उसका इलाज अधर में लटक जाता है। मरीजों ने कटाक्ष करते हुए कहा "सरकार पाँच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज का कार्ड देती है, लेकिन यहाँ इंजेक्शन खरीदने तक के पैसे न हों तो मरीज को मरने के लिए छोड़ दिया जाता है।" शिकायतों पर ध्यान नहीं लोगों ने बताया कि हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करने के बाद केवल "देख लिया जाएगा" कहकर बात खत्म कर दी जाती है। न तो जाँच होती है और न ही किसी पर कार्रवाई। प्रशासनिक निष्क्रियता अस्पताल का संचालन लगभग निजी अस्पताल की तरह किया जा रहा है। गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज का अधिकार सिर्फ कागज़ों में है। स्टाफ और अधिकारी सरकार की नीतियों को लागू करने के बजाय मरीजों को परेशान कर रहे हैं। मांग मरीजों और परिजनों ने उच्च अधिकारियों एवं प्रिंसिपल से तत्काल जाँच की मांग की है। साथ ही, जिला अधिकारी (क्ड) से अपील की है कि शासन स्तर पर पूरे मामले की जाँच कराई जाए, ताकि अस्पताल की हकीकत उजागर हो और गरीब मरीजों को सरकारी अस्पताल में समुचित सुविधा मिल सके। सरकार के "सबको मुफ्त इलाज" के दावे और जिला अस्पताल की हकीकत में बड़ा फर्क है, और इस फर्क की कीमत गरीब मरीज अपनी जान देकर चुका रहे हैं।

वन्य जीव सक्रियता क्षेत्रों में के लिए गठित किये गये 11 गश्ती दल

वन्य जीव की खोज में ली जा रही है ड्रोन व सीसीटीवी कैमरों की मदद

ब्यूरो चीफ रामेश्वर सिंह भदोरिया

बहराइच। डीएफओ राम सिंह यादव ने बताया कि बहराइच वन प्रभाग, बहराइच के कैसरगंज रेंज के तहसील कैसरगंज अन्तर्गत 09 सितम्बर 2025 को ग्राम–परागपुरवा, पो. मझारा तौकत्ती, थाना व तहसील कैरारगंज में अज्ञात वन्य जीव द्वारा 11/12 सितम्बर 2025 की रात्रि लगभग 03:00 बजे ग्राम–भौरी, मजरा बहोरवा, पो. मंझारा तौकती, थाना बौण्डी तहसील महसी में अज्ञात वन्य जीव द्वारा किये गये हमले के दृष्टिगत प्रभाग स्तर से 07 एवं वन संरक्षक, देवीपाटन वृत्त, गोण्डा स्तर से 04 गश्ती टीमों का गठन किया गया है जो दिवस/रात्रि वन्य जीव सक्रियता क्षेत्रों में गश्त की कार्यवाही कर रही है।

डीएफओ श्री यादव ने बताया कि वन्य जीव सक्रियता वाले क्षेत्र में 03 थर्मल ड्रोन कैमरों को चलाकर तथा संवेदनशील स्थानों पर कैमरा ट्रैप्स को स्थापित कर वन्य जीव को खोजने की कार्यवाही की जा रही है। वन्य जीव के हमले से प्रभावित ग्रामों में सोलर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। ताकि वन्य जीव की पहचान सुनिश्चित करते हुए उसे सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके। गश्ती टीमों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में पैदल चलकर सक्रिय वन्य जीव को चिन्हित किये जाने एवं पगमार्क खोजने की कार्यवाही की जा रही है। डीएफओ ने बताया कि जनजागरूता टीमों द्वारा स्थानीय ग्रामीणजनों को हिंसक वन्य जीवों से बचाव हेतु लगातार जागरूक किया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र के ग्रामवासियों को रात्रि में अपने घरों के अन्दर दरवाजा बन्द करके स्वयं एवं बच्चों को सुरक्षित सुलाने हेतु आग्रह किया जा रहा है। गश्ती टीमें द्वारा प्रभावित ग्राम के बाहरी क्षेत्रों में पटाखों को दगाकर वन्य जीव को रोकने की कार्यवाहियों की जा रही है। उन्होंने बताया कि वन, पुलिस एवं जिला प्रशासन के बीच आपसी समन्वय स्थापित करते हुए हिंसक जीव के हमले से प्रभावित क्षेत्र में दिवारात्रि गश्त की जा रही है जिससे कोई भी अप्रिय घटना घटित नहीं होने पायी है।

1,32,00 बिजली के पल पर चड्ढा युवक ग्रामीण और पुलिस के समझाने के बाद काफी देर बाद नीचे उतरा नीचे

कमल कांत दुबे जिला संवाददाता फर्रुखाबाद

जहानगंज। बुधवार की शाम थाना क्षेत्र के गांव समुद्दीनपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब शराब के नशे में धुत गोपाल पुत्र शंभुदयाल करीब 7रू30 बजे 1,32,000 बिजली पोल पर चढ़ गया और जान देने की धमकी देने लगा।स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना 112 नंबर पुलिस (चवसपबम) सेवा को दी। सूचना पर राजपूताना चौकी इंचार्ज उदय सिंह और बाद में स्वयं थाना जहानगंज के थानाध्यक्ष राजेश राय मौके पर पहुंचे पुलिस ने काफी समझाने–बुझाने का प्रयास किया, लेकिन गोपाल मानने को तैयार नहीं हुआ।गोपाल ने बताया कि पत्नी से परेशान होकर यह कदम उठा रहा है, जबकि पत्नी ने आरोप लगाया कि वह शराब पीकर आए दिन गाली गलौच करता है। इस बीच दो बहादुर युवक शिवरतन और ज्ञान चंद्र रस्से के सहारे खंभे पर चढ़े और गोपाल को सुरक्षित नीचे उतार लिया थानाध्यक्ष राजेश राय ने साहस दिखाने वाले दोनों युवकों को 1100 रूपये का इनाम देकर सम्मानित किया और मौके पर मौजूद लोगों से कहा कि मानवीय दृष्टिकोण से किसी की जान बचाना सबसे बड़ा कार्य है, इसके लिए पुलिस सदैव तत्पर है।

कार्यालय ग्राम पंचायत जुड़ा विकासखंड शिवपुर बहराइच

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत जुड़ा रामकेवल के घर से भानु पाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य निर्माण में सामग्री हेतु जैसे ईटा सीमेंट सदा बालू मौरंग बालू गिट्टी ईट गिट्टी आदि सामग्री। इच्छुक अपनी फॉर्म निविदा 9/9/2025 कोटेशन टेंडर ग्राम पंचायत कार्यालय जुड़ा प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें निविदा खुलने की दिनांक 10/9/2025 को 4रू00 के बाद निशिचत बाद में कोटेशन टेंडर प्रस्तुत करने पर आमान्य समझ जाएगा। कोटेशन के बाद कोटेशन टेंडर का कोई मूल्य नहीं होगा।

रीना देवी
ग्राम प्रधान

सचिव
अमरेश गौतम

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।